युगव्यास वेदमूर्ति तपोनिष्ठ
पं० श्रीराम शर्मा आचार्य वाङ्मय

१ युग दृष्टा का जीवन-दर्शन
२ जीवन देवता की साधना-आराधना
३ उपासना-समर्पण योग
४ साधना पद्धतियों का ज्ञान और विज्ञान
५ साधना से सिद्धि १
६ साधना से सिद्धि २
७ प्रसुप्ति से जागृति की ओर
८ ईश्वर कौन है? कहाँ है? कैसा है?
९ गायत्री महाविद्या का तत्त्वदर्शन
१० गायत्री साधना का गुह्य विवेचन
११ गायत्री साधना के प्रत्यक्ष चमत्कार
१२ गायत्री की दैनिक एवं विशिष्ट अनुष्ठान परक साधनाएँ
१३ गायत्री की पंचकोषीय साधना एवं उपलब्धियाँ
१४ गायत्री साधना की वैज्ञानिक पृष्ठभूमि
१५ सावित्री, कुण्डलिनी एवं तंत्र
१६ मरणोत्तर जीवन : तथ्य एवं सत्य
१७ प्राणशक्ति : एक दिव्य विभूति
१८ चमत्कारी विशेषताओं से भरा मानवीय मस्तिष्क
१९ शब्दब्रह्म-नादब्रह्म
२० व्यक्तित्व-विकास हेतु उच्चस्तरीय साधनाएँ
२१ अपरिमित संभावनाओं का आगार मानवीय व्यक्तित्व
२२ चेतन, अचेतन एवं सुपर चेतन मन
२३ विज्ञान और अध्यात्म : परस्पर पूरक
२४ भविष्य का धर्म - वैज्ञानिक धर्म
२५ यज्ञ का ज्ञान-विज्ञान
२६ यज्ञ एक समग्र उपचार-प्रक्रिया
२७ युग-परिवर्तन कैसे और कब ?
२८ सूक्ष्मीकरण एवं उज्ज्वल भविष्य का अवतरण १
२९ सूक्ष्मीकरण एवं उज्ज्वल भविष्य का अवतरण २
३० मर्यादा पुरुषोत्तम राम
३१ संस्कृति संजीवनी : श्रीमद्भागवत एवं गीता
३२ रामायण की प्रगतिशील प्रेरणाएँ
३३ शोडष संस्कार विवेचन
३४ भारतीय संस्कृति के आधारभूत तत्त्व
३५ समस्त विश्व को भारत के अजस्र अनुदान
३६ धर्मचक्र प्रवर्तन एवं लोकमानस का शिक्षण
३७ तीर्थ सेवन : क्यों और कैसे?
३८ प्रज्ञोपनिषद्
३९ नीरोग जीवन के महत्त्वपूर्ण सूत्र
४० चिकित्सा-उपचार के विविध आयाम
४१ जीवेम शरद: शतम्
४२ चिर यौवन एवं शाश्वत सौन्दर्य
४३ हमारी संस्कृति-इतिहास के कीर्ति स्तंभ
४४ मरकर भी अमर हो गये जो
४५ सांस्कृतिक चेतना के उन्नायक : सेवाधर्म के उपासक
४६ भव्य-समाज का अभिनव निर्माण
४७ यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता
४८ समाज का मेरूदण्ड : सशक्त परिवार तंत्र
४९ शिक्षा एवं विद्या
५० महापुरुषों के अविस्मरणीय जीवन प्रसंग १
५१ महापुरुषों के अविस्मरणीय जीवन प्रसंग २
५२ विश्व-वसुधा जिनकी सदा ऋणी रही है
५३ धर्मतत्त्व का दर्शन और मर्म
५४ मनुष्य में देवत्व का उदय
५५ दृश्य जगत की अदृश्य पहेलियाँ
५६ ईश्वर-विश्वास और उसकी फलश्रुतियाँ
५७ मनस्विता, प्रखरता और तेजस्विता
५८ आत्मोत्कर्ष का आधार-ज्ञान
५९ प्रतिगामिता का कुचक्र ऐसे टूटेगा
६० विवाहोन्माद : समस्या और समाधान
६१ गृहस्थ : एक तपोवन
६२ २१ वीं सदी : नारी सदी
६३ हमारी भावी पीढ़ी और उसका नव निर्माण
६४ राष्ट्र समर्थ और सशक्त कैसे बनें
६५ सामाजिक, नैतिक एवं बौद्धिक क्रान्ति कैसे?
६६ युग निर्माण योजना - दर्शन, स्वरूप व कार्यक्रम
६७ प्रेरणाप्रद दृष्टान्त
६८ पूज्यवर की अमृतवाणी (भाग १)
६९ विचारसार एवं सूक्तियाँ (प्रथम खण्ड)
७० विचार सार एवं सूक्तियाँ (द्वितीय खण्ड)